

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—सण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 251]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, विसम्बर 22, 1977/पौष 1, 1899

No. 231]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 22, 1977/PAUSA 1, 1899

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

EXPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 22nd December 1977

SUBJECT.—Export of Cotton Yarn during 1977.

No. 35-ETC(PN)/77.—Attention is invited to the Ministry of Commerce Public Notice No. 30-ETC(PN)/77 dated the 31st October, 1977 regarding export of cotton yarn during 1977 against pre-ban commitments

- 2. In the said Public Notice it has been laid down inter alia that exports of cotton yarn against which firm contracts have been entered into on or before the 8th August, 1977, will be allowed provided the contracts were supported by irrevocable letters of credit opened against such contracts on or before 30th September, 1977.
- 3. On a review of the position, it has been decided that contract; against which advance payment had been received on or before the 30th September, 1977 should also be considered on par with those covered by irrevocable letters of credit under the said Public Notice, provided that all the other conditions stipulated in the said Public Notice dated 31st October, 1977 are satisfied. Effect will be given to this decision to the same extent and from the same considerations that applied under the said Public Notice No. 30/77 to irrevocable letters of credit.
- 4. The concerned exporters should produce to the cotton Textiles Export Promotion Council (TEXPROCIL) Bombay the bank certificates evidencing receipt of advance payment against the contracts in question while approaching the said Council for necessary authorisation for export

K V SESHADRI Chief Controller of Imports & Export

्वाशिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

निर्वात व्यापार नियंत्रस

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1977

विषय :-1977 के दौरान सूती धागे का नियति ।

सं० 35-ई टी सी (पीएन) / 77 -- पूर्व निषेध सीदों के महे, 1977 में सूती धागे के निर्यात में सम्बद्ध वाणिज्य मवासय की सार्वजनिक सूचना मं० 30-ई टी सी (पी एन) / 77, दिनाक 31 प्रक्तू-वर, 1977 की ग्रोर ध्यान दिलाया जाता है।

- 2 कथित सार्वजनिक सूचना मे अन्य बातों के साथ-साथ यह भी बताया गया है कि सूती धागे के उस निर्यात के लिए जिसके लिए 8 अगस्त, 1977 को या इससे पहले पक्की सविदाए कर ली गयी हैं, तो त्नुमित इस भर्त पर दी जाएगी कि सविदाश्रों के 30 मितम्बर, 1977 को या इससे पहले ऐसे सिक्शिश्रों के महे खोले गए अपरिवर्तनीय साख-पत्न भी सविदाश्रों के साथ भेजे गए थे।
- 3. स्थित की पुनरीक्षा करने पर यह निश्चय किया गया है कि उन सिषदास्रो जिनके लिए अग्रिम भुगतान 30 सितम्बर, 1977 को या इसमें पहले प्राप्त हो तुके थे, उन पर उकत सार्व-जिक पूचना के अधीन अपियतंनीय साख-पत्न के अन्तर्गत आने वार्ल सिषदास्रों के साथ विचार किया जाएगा बगतें कि उक्त सार्वजितक सूचना दिनाक 31 अक्तूबर, 1977 में अनुबद्ध अन्य सभी मित पूरी कर दी जाती है। यह निर्णय उभी सीमा तक और उन्ही विवारों के साथ प्रभावी होगा जो उक्त सार्वजितक सूचना स० 30/77 के अधीन अपियतंनीय साख-त्व के लिए लागू थे।
- 4. सम्बद्ध निर्यातको को चाहिए कि वे सूती वस्त्र निर्यात सबर्धन परिषद् (टैक्सपोसिल) बढ़ की एक बैंक प्रमाण-पन्न भेजे जिसमे निर्यात के लिए प्रावण्यक प्राधिकरण के लिए उक्त गरिषद् के साथ सम्पर्क स्थापित करते समय विषय धीन सविदास्रों के महे स्राग्रम भुगतान की पावती के साक्ष्य को दर्णाया जाए।

का० वे० शेषाबि, मुख्य नियक्षक, श्रायात-निर्यात ।